Incam Usiya The Gazette of India

असाधारगा EXTRAORDINARY

भाग 11—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 304]

नई बिल्ली, मंगलबार, जूम 5, 1990/क्येव्ठ 15, 1912

No. 304

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 5, 1990/JYAISTHA 15, 1912

इंस भागमें भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलग लंकलन के काय भें रखा जा सकी

Separate Paging is given to this Part in order that if may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

चादेश

नई दिल्ली, 5 जून, 1990

का.मा. 447 (म्र):— भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे स्वापक भौषांच भौर मनःप्रभावीं पदार्थ अर्थच व्यापार निवारण अधिनियम, 1988 की द्यारा 3 की उप-आरा (1) के अधीन विशेष रूप से सणकति किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा.मं. 773/7/89 सी.मु. 8 तारीख 13-2-89 यह निवेण देते हुए जारी किया गया या कि बी के.एस. सावजान उर्फ सुन्तू उर्फ सुन्तू साहित, सुपुत्र अब्दुल रजाक, येंक्स्स्य, कासरागड को स्वापक भीषधियों का क्या करने, विकय करने, साने ने जाने भीर छिपाने, बुष्प्ररूप करने से रोका जा सके;

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हा गया है या अपने की छिपा रहा है जियसे अवह आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

ग्रतः ग्रवं, केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रिधिनियम की धारा 8 का उपधारा
के खण्ड (ख) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह

निर्वेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस शादेश के राजपन्न मे प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानिर्देशक त्रिवेन्द्रम (करल) या पुलिस महा-निर्वेशक, बंबई के समक्ष हाजिर हो।

[फ/॰मं. 773/89 सा.म्.8]

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

New Delhi, the 5th June, 1990

ORDER

S.O. 447(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of the Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773/7/89-Cus. VIII dated 13-2-1989 under the said sub-section directing that Shri K, S. Saabjaan @ Sunnu @

Sunnu Sahib, son of Abdul Razak, Theruvath, Kasaragod with a view to preventing him from abetting in the purchase, sale, transportation and concealment of Narcotic Drugs; and

= --- : - - - - - +====

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed:
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Trivandrum (Kerala) or Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|7|89-Cus. VIII]

यावेश

का.आ. 448 (घ): — भारत सरकार के संयुक्त सिवक ते, जिसे स्वापक घीषिघ धीर सतः प्रभावी पदार्थ प्रयेष बगागर निवारण घिषित्यम, 1988 की धारा 3 की उपघारा (1) के प्रश्लीन विशेष रूप से सणक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन प्रावेण का.सं. 773/19/89 सी.ण. 8 तारीख 2-6-1989 यह निवेण वेते हुए जारी किया गया था कि श्री मोहस्मय भकी, 27-सी, उपा सदन, कोलाबा दाकघर के नजबीक, कोलावा, वबई-5 को केन्द्रीय कारागा वबई में प्रभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे स्वापक घौषघियों का ऋष करने, विकय करने, लाने से जाने में लिप्त रहने धीर भारत से निर्यात किए जाने का वुष्प्रेरण करने से रोका जा सके;

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह जिल्लास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिना रहा है जिनमें उक्त आवेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. प्रतः प्रथा, फेन्द्रीय सरकार उन्त प्रधिनियम की धारा 8 का उप-धारा (1) के खण्ड (खा) द्वारा प्रकी शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश बंदी है कि पूर्वीक्त व्यक्ति, उन प्रादेश के राजन्य मंप्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक बस्बई के सनक हाकिर हो।

[फा.स. 773/19/89-मी.मू.-8]

ORDER

- S.O. 448(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Illict Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|19|89-Cus. VIII dated 2-6-1989 under the said sub-section directing that Shri Mohd. Shaft 27-C Usha Sadan. Near Colaba Post Office, Colaba, Bombay-5 be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from engaging in purchase, sale, transportation and abetting in export from India of Narocotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed:
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby

directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the Michal Gazette.

[F. No. 773|19|89-Cus. VIIII प्रादेश

का भा. 449 (भ्र): — भारत सरकार के संयुक्त सचित्र ों, िनो स्वापक श्रीपधि श्रीर मनः भागवी प्रवेश प्रवेश व्यापार निशारण श्रीय ि. () त 1988 की श्रारा 3 की उपधारा (1) के श्रश्चीन विशेष इस ने सणक्त किया गया है, उक्त उपधारा के श्रश्चीन श्रावंश फा.स. 773/24/ 89 सी शु. 8 नारीख 17-5-1989 यह निदेण वेते हुए आरी किया

तारपुर के नाराज 17-5-1989 यह निद्युण पूर्व हुए जारर खिदा गया था कि श्री यी शांताकृष्णन मार्फन सत्थानम, सुपुत्र वैदरानायम पिल्लै, नं. 5/1-सी, गणेश नगर, सिमको मीटर रोड़, सिर्म्बरामस्ली को कैन्द्राय कारागार, तिद्वां में अधिरक्षा से रखा जाए ताकि उसे स्वायक औ खिरी के नेम देन से रांका जा सके: और

- 2. भेन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करन का कारण है कि पूर्वीक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिना रहा है थिसले उक्त झावेग का निष्पादन नहीं हो सके ;
- 3. श्रतः सन्, केन्द्रीय सरकार उन्त अधिनियम की धारा 8 की अधिया (1) के खण्ड (का) द्वारा प्रवत्त सिक्सी का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस स्रावेश के राजपन में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस स्रवीक्षक, सा स्राई ही, स्रपदान काला, महास के समझ हाजिर हो।

फि.स. 723/24/89 से **स**्

ORDER

- S.O. 449(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Micit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|24|89-Cus. VIII dated 17-5-1989 under the said sub-section directing that Shri V. Santhanakrishan @ Santhanam, Slo Vedaranyam Pillai, No. 5|1-C, Ganesh Nagar, Simco Meter Road, Tiruchirappalli be detained and kept in custody in the Central Prison, Tiruchy with a view to preventing him from dealing in Narcotic Drugs, and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Superintendent of Police, C.I.D., Crime Branch, Madras within to days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|24|89-Cust VIII]

घारेल

का.आ. 450(छ): — भारत सरकार के संयुक्त सिख ने, जिले स्वार्णक भीविध भीर सनःप्रभावी पदार्थ सबैध काणार निवारण प्रतिनियम, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के प्रश्रीन विशेष रूप से सजकत किया गया है, उक्त उपधारा के सधीन धादेण एत.स. 773/25/89 सी.श. 8 तारीख 18-5-89 यह निदेश देते हुए नारी किया गया धा

कि श्री मोहम्मद इरकान, सृषुत्र योत्रम्मद इमशान, कमरा न 16, पारमी गली, बंध्की बाजार, बंबई- 5 हा के दीय कारागार बंबई में प्रभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे स्वापक श्राप्ति हो एक राज्य से दूसरे राज्य में लाने, ले जाने, कठजे म रखन श्रार श्रायान करने से रोका जा सके,

- 2. तेस्टीय सरलार के पास यह विण्यास करत का कारण है कि पूर्वक्ति व्यक्ति फरार हो गाउँ है था अगने को छिपा रहा है जिससे उन्स आदेश का निष्पादन नहीं हो सके ;
- 3. शतः श्रव, केन्ब्रीय सरकार उक्त श्रिधिनियम की धारा 8 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदक्त णक्तियों का प्रयोग करते हुए, गह निर्वेश वेती है कि पूर्व के स्थित, इस प्रावश के राजपत्न में प्रकाशन के 10 बिन के भीतर पृथिस महागिवेणक वस्वई के नमक्ष हाजिर हो।

[फा.स. 773/25/89-सी.म्.-7]

ORDER

- S.O. 450(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|25|89-Cus. VIII dated 18-5-1989 under the said sub-section directing that Shri Mohammed Irfan, S|o Mohammed Imran, Room No. 16. Parsi Galli, Bendi Bazaar, Bombay-3 be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from engaging in transportation, possession and import intex-state of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|25|89-VJIJ1

प्रविश

का आ. 151 (श्र): — भारत सरकार के संयुक्त सिवव ने, जिसे स्वापक श्रीपिध और मनःप्रभावी पर्वार्थ श्रुवैध व्यापार निवारण श्रिधिनियम, 1988 की धारा 3 की उपधारा (!) के सप्तीन विशेष रूप से समायत किया गया है, उकत उपधारा के श्रीपित स्रावेश का सं. 773/28/89 सी. श्रु. १ तारीस 19-5-1989 यह निर्णे देने ज्या जारी किया गया का कि श्री जी. मन्द कुमार, मृष्ट्र गोपाल, 258 पीरच्या वेलुक्तम, श्री ब्रूट, बाग्निया, श्रीलंका, केन्द्रीय जारागांच मद्रास की मार्कन से कारागार मद्रास की अभिरक्षा म रखा आए नावि उसे स्वापक प्राथिति में कारागार मद्रास की अभिरक्षा म रखा आए नावि उसे स्वापक प्राथिति में परिवहन, कब्ने में रखन भीर धंतर्राङ्गीय ग्रायान में लिप्त रहने से रोका जा सके;

- 2. जेन्द्रीय सरकार के पात यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या प्रथन को छिपा रहा है जिसस उक्त भादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. श्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार उका श्रांधिनियम की धारा 8 को उपधारा (1) के खण्ड (श्रा) होरा श्रदक मिन्नियों का प्रयोग करने दुए, यह

निर्वेश देती है कि पूर्विकत व्यक्ति, इस आवेश के राजपक्ष में प्रकाशत के 10 दिन के भीतर पुलिस अवीक्षक, सी.आई.शी., अपराध शाखा, महास के समक्ष क्रांजिए हो।

[फा.स. 773/28/89-मी.स. -8]

ORDER

- S.O. 451(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|28|87 Cus. VIII dated 18-5-1989 under the said sub-section directing that Shri G. Nandakumar. S|o Gopal, 258 Periya Valakulam, 9th Street, Vavuniya, Sri Lanka C|o Superintendent, Central Prison Madras be detained and kept in custody in the Central Prison, Madras with a view to preventing him from engaging in the transportation, possession and import inter-State of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Superintendent of Police, C.I.D., Crime Branch, Madras within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773 28 89-Cus. VIII]

ग्रादेश

का. मा. 452 (म्र): — भारत सरागर के नयुक्त सनिव ने, जिंगे स्थापक ग्रांचित्र और मनःप्रभावी पदार्थ सर्वेश्व व्यापार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 3 की उपयारा (1) के अधीन विशेष रूप में सुणक्त किया गया है, उकत उपधारा के अधीन धावेण का.मं. 773/-32/89 सी. शू.-8 तारीख 18-5-89 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री विशोगमान सदात जाशा, गांव कृतं, जाया खागरा, जिला-कच्छ (गूजरान) को केश्रीय कारागर, ग्रांत स्थान से रखा कार नाकि उसे भारत में स्थापक श्रीयधियों के भारत में सायान करने में लिएन उहने और परिबहन करने से रोका जा सके;

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त क्यक्ति फरार हो गया है या प्रयंते को लिया रहा है जिससे उक्त आयेश का निष्पादस नहीं हो सके:
- 3. मतः श्रम, केन्द्रीय मरकार उस्त पश्चितियम की धारा 8 की उपरक्षा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवत्त लित्तयों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती हैं कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इन पारिण के राजपन्न में प्रकाशम के 10 दिन के भीतर पुलिस मह्ा=निरीक्षक, अपराध ग्रीर रेतने के समक्ष हाजिर हो।

्र [फा मं. 773/32/89—सी.**श्.**-8]

ORDER

- S.O. 452(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order No. 773|32|89-Cus. VIII dated 18-5-1989 under the said sub-section directing that Shri Valimamad Sadaq Wadha, village-kuran, via-Khavda, District Kutchh (Gujarat) be detained and kept in custody in the Central Prison, Ahmedabad with a view to preventing him from engaging in the import of Narcotic Drugs into India and transportation of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Inspector General of Police, Crime and Railway, Ahmedabad within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F, No. 773|32|89-Cus. VIII]

मादेश

- का. था. 453 (श्र): भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे स्वापक श्रीविश्व और मनःप्रभावी पदार्थ प्रवैध व्यागार निवारण श्रिधिनियम, 1988 की धारा 3 की उप-धारा (1) के भ्रधीन विशेष रूप से सणकत किया गया है, उकत उपधारा के श्रधीन श्रादेण फा.सं. 773/34/89 सी.णु. 8 सारीख 18-5-1989 यह निदेण देते हुए जारी किया गया था कि श्री जनम तैयब समा, गांव— धोबना, वारास्ना-खबदा, जिला-कच्छ (गुजरात), को केन्द्रोग कारागार, अनुमदाबाद में अभिरक्षा में रखा जाए तांकि उसे स्वापक भौषधियों को भारत में श्रीयात करने श्रीर परिवहन करने में रोका जा सके।
- 2. केन्द्रीय । सरकार के पास यह विश्वास करने का करण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या प्रपने की फ्रिपा रहा है जिससे उन्त भादेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. मतः भ्रमः, केन्द्रीय सरकार उन्त श्रधितयम की धारा 8 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्वेश वेती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस म्रादेश के राजपत्र में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिम निरीक्षक, श्रपराध्र एवं रेलवे के समक्ष हाजिर हो।

[फा.स. 773/34/89-सी.मू.-8]

ORDER

S.O. 453(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|34|89-Cus. VIII dated 18-5-1989 under the said sub-section directing that Shri Junus Taiyab Sama, Village-Dhrobana, Via-Khavda, District-Kutchh (Guiarat) be detained and kept in custody in the Central Prison, Ahmedabad with a view to preventing him from engaging in import into India and transportation of Narcotic Drugs; and

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Inspector General of Police Crime and Railways. Ahmedabad within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773]34[89-Cus. VIII]

ग्रावंश

- का. आ. 454 (आ): भारत सब्दार हे संयुक्त सिवय ने, जिसे स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ ध्रयंध व्यापार नियारण शिक्षित्यम, 1988 को धारा 3 की उप-धारा (1) के प्रधीत विशेष १५ से सम्बद्ध किया गया है, उन्नत उपधारा के प्रधीन आदेश फा.सं. 773/46/89 सी.म्.-१ तारीख 18-5-89 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री थी. बाबुराज, सुपुत्र बेस्लाई नादर, कास्वुर वैस्ट, ध्रमीर बाग, कांबई पण्चिमी-79, को केन्द्रीय कारानार बंबई मे अभिरक्षत में रखा जाए ताकि उसे स्वापक औषधियों के अक्षर्ण्याय प्रवहत, कब्जे में रखने, विश्रय करने भीर ध्रायान करने से शिका जा सके;
- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विख्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है शा क्रपने को छिपा रहा है जिससे उक्त श्रादेश का निष्पादन नहीं हो सके:
- 3 प्रसः प्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम की घारा 8 कां उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस प्रादेश के राजपत्न में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पृलिस महानिदेशक अवर्ध के समक्ष हाजिर हो।

[पा.सं. 773/46/89-सी.म् -8]

ORDER

- S.O. 454(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|46|89-Cus. VIII dated 18-5-1989 under the said sub-section directing that Shri V. Baburai, S.o. Vellai Nadar, Chambur West, Ameer Bagh, Bombay West-79 be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from engaging in the transportation, possession, sale and import inter-State of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Bombay within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|46|89-Cus. VIII]

with an

का जा. 455 (श्र) . — भारा सरकार के संयुक्त सिंव ते, जिते स्वापक श्रीविध श्रीर मनः प्रभावी पदार्थ श्रीध व्यापार निवारण श्रीधिनयन, 1988 की धारा 3 की उपधारा (1) के श्रधीन विशेष रूप से सणका किया गया है, उनन उपधारा के प्रधीन श्रीय फा. सं. 773/64/89 सी. ग्. -8 विनान 26-7-89 यह निवेश देनी हुए जारी किया गया था कि मोहस्सद शातार उर्फ श्राविद परवील, संपुत्र श्रक्तुल रूफ, 701, किल्सापुकरी, बालाति, उडीया श्रीर 5, ध्रमंतल्या रहीट, कलकत्ता की प्रेसिडेन्सी ग्रेल, कलकत्ता की श्रीकरधा में रखा जाए ताक उसे स्थापक श्रीपिधियों के बनाने, कहने में रखने, विश्रय करने श्रय करने, परिश्रहन, भंडागारण, श्रीवर्राध्याय श्रायान श्रीर नियान करने से रोका जा सके।

- 2. केन्द्रीय संस्कार के पांच यह विश्वास करने का कारण है कि विकास व्यक्ति फरार है। गया है या ग्रमने को छिपा रहा ं जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहा हो सके.
- 3. श्रम श्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त ध्रिधिनियम की धारा 8 का उपधारा (1) के खंड (ख) हारा प्रदक्त स्थितयों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति, इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 10 दिन के भीतर पुलिस महानिद्देशक, कलशक्ता के समक्ष हाजिर ही ।

[फा.स. 773/64/89~सी (सु.-४]

ORDER

- S.O. 455(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773/64/89-Cus. VIII dated 26-7-1989 under the said sub-setion directing that Shri Md. Azad @ Avid Perwiz, S/o Shri Abdul Rouf, 701, Killapukri, Ballasore, Orissa and also of 5. Dharmatala Street, Calcutta be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Calcutta with a view to preventing him from engaging in manufacture, possession, sale, purchase, transportation warehousing, import and export inter-State of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Calcutta within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|64|89-Cus. VIII]

श्रादेश

का. श्रा. 458 (श्र) --शारत सरकार ते संयुक्त सिविव ने, जिसे स्वादय श्रीषिध और मन प्रभावी पदार्थ श्रवैध व्याप्पर निवारण श्रिष्ठिनयम. 1988 की धारा 3 की उप-धारा (1) के श्रवीन विशेष रूप से मशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के श्रवीन श्रावेण फा. सं. 773/71/89-सी. श्रु.-8 दिनांक 5-10-89 यह निदेण देत हुए जारी किया गया था कि श्री मुरली शाह, भुपूत श्री अग्यू शाह तेती, निवासी गांव श्रव्योडी, पु.स्टे./पो.आ. रामगद, जिला रोष्ट्रलाण, विहार को डिस्ट्रिक्ट जेल, कोटा (राज.) में श्रीमण्या में श्रवा जाए तांक उसे स्वापक श्रीषष्ठि यो का अग्र करने, करजे में रखने श्रीर परिवहन से रोका जा सके;

- 2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्न व्यक्ति फरार हां गया है या प्रपत्ने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;
- 3. श्रतः श्रव, केन्द्रीय सरकार उक्त श्रविनियम की धारा 8 के। उपधारा (1) के खड़ (ख) द्वारा प्रदत्त गांक्तयों का प्रयोग करने हुए, यह मिर्वेश देती है कि पूर्वेक्त व्यक्ति, इस आवेश के राजपल में प्रकाशन के 10 विन के भीतर पुलिस महानिदेशक, जयपुर (राजस्थान) या महानिदेशक पुलिस, बिहार (१८०१) के समझ हाजिर हो।

[प्रा.सं 773/71/89-**सी.शु.-8**]

ORDER

- S.O. 456(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|71|89-Cus. VIII dated 5-10-89 under the said sub-section directing that Shri Murali Shah, S|o Shri Jaggu Shah Teli, R|o village Akhodi, P. S.|P.O. Ramgarh, District Rohtash, Bihar be detained and kept in custody in the District Jaul, Kota (Rajasthan) with a view to preventing him from engaging in purchase, possession and transportation of Narcotic Drugs; and
- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Jaipur, Rajasthan or Director General of Police, Bihar (Patna) within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773]71]89-Cus. VIII]

ग्रादेश

का. आ. 457 (अ). — भारत संस्थार के संयुक्त सनिव ने, जिसे स्वापक श्रीपिध श्रीर मन प्रभावी पदार्थ श्रवैध व्यापार निवारण श्रीपित्रियम, 1988 की धारा 3 की उप-धारा (1) के श्रधीन विशेष रूप से समक्त किया गया है, उक्त उपधारा के श्रधीन श्रादेण का. सं. 773/81/89—सी. श. -8 दिनांक 14-12-89 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री राम सिंह, गांव साथाखेंडा, सहसील सातामऊ, जिला मंदसीर (म.प्र.) की उप-जेल मंदसीर (म.प्र.) की श्रिपका में रखा जाए लाकि उसे स्वापक श्रीपित्रयों को कब्जे में रखने भीर विश्रय करने से रोका जा सके,

- केन्द्रीय गरकार के पास यह विश्वाम करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति करार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त स्रादेश का निष्पावन नहीं हो सके;
- 3. ग्रस ग्रज, केन्द्रीय सरकार उनत ग्रधिनियम की धारा 8 कं। उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि पूर्वोक्त क्य्यक्ति, इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन के 10 दिस के भीगर पुलिस संश्लानियेशक, बिहार, पटना के समक्ष हार्जिर हो।

[फा.सं. 773/81/89-सी.सु.-8] ए०के० राय, अचर संविक

ORDER

S.O. 457(E).—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under subsection (1) of Section 3 of the Prevention of Illicit Traffic in Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1988 issued order F. No. 773|81|89-Cus. VIII dated 14-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Ram Singh, Village Sathakheda, Tehsil Satamow, District Mandsaur, Mandsuar (M.P.) be detained and kept in custody in the sub-jail, Mandsaur (M.P.) with a view to preventing him from engaging in possession and sale of Narcotic Drugs; and

- 2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;
- 3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 8 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Director General of Police, Bihar, Patna within 10 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 773|81|89-Cus. VIII]A. K. ROY, Under Secy.